(छ) गोचर की दृष्टि से राहु-केतु-सूर्य के शुभ स्थान बताइए।

(ज) मेष किस राशि में उच्च का होता है?

(झ) सूर्य दशा वर्ष कितने होते हैं?

(ञ) वृष राशि के संज्ञान्तर (पर्यायवाची) लिखिए।

प्रथम वर्ग

2. तनु भाव में स्थित ग्रहों के फल लिखिए। 6

3. गृहप्राप्ति योग का वर्णन कीजिए। 6

द्वितीय वर्ग

4. परजात योग स्पष्ट कीजिए। 6

5. विषाख्य भंग योग लिखिए। 6

तृतीय वर्ग

6. केन्द्र त्रिकोण का परस्पर सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए। 6

7. मारक स्थान का विस्तृत वर्णन कीजिए। 6

चतुर्थ वर्ग

8. दृादश भावों में गोचरवश बृहस्पति के फल लिखिए। 6

9. सूर्य नक्षत्र का न्यास क्रम स्पष्ट कीजिए। 6

A **(Printed Pages 2)**

Roll No. _____

A-262

बी.ए (तृतीय वर्ष) परीक्षा, 2015

ज्योतिर्विज्ञान

द्वितीय प्रश्न-पत्र

(जातक, गोचर तथा कृष्णमूर्ति पद्धति)

Time Allowed : Three Hours] ***[Maximum Marks : 40***

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर कीजिए। प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न कीजिए। प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : 16

(क) जातकालङ्कार का प्रथम श्लोक लिखिए।

(ख) सर्व सम्पत्ति युक्त योग लिखिए।

(ग) वाणी हीन योग स्पष्ट कीजिए।

(घ) जातक अल्प भाषी कब होता है?

(ङ) विकलाङ्ग योग लिखिए।

(च) विशोत्तरीदशा कितने वर्षों की होती है?